

न्यायालय अतिरिक्त सम्भागीय आयुक्त, जोधपुर  
पीठासीन अधिकारी : अजीतसिंह राजावत, आर.ए.एस.

राजस्व अपील संख्या 24/2022

<u>अपीलान्त</u>	<u>बनाम</u>	<u>रेस्पोंडेन्ट्स</u>
1. चनणाराम पुत्र धूडाराम 2. श्रीमती आसूदेवी पत्नी कुम्भाराम 3. किशनाराम पुत्र गोपाराम 4. पप्पाराम पुत्र गोपाराम 5. सिकीदेवी पुत्री गोपाराम 6. दिउदेवी पुत्री गोपाराम 7. धाखूदेवी पत्नी गोपाराम 8. राणाराम पुत्र मूलाराम समस्त जातियान-मेघवाल, निवासी- भालू लक्ष्मणगढ तहसील बालेसर		1. तहसीलदार, बालेसर जिला जोधपुर

अपील अन्तर्गत धारा 75 राजस्थान भू राजस्व अधि. 1956 विरुद्ध आदेश उपखण्ड अधिकारी बालेसर के द्वारा प्रकरण क्रमांक 1795 में दिनांक 06.06.2018 को पारित किया गया।


उपस्थिति:—

1. श्री भूपतसिंह जोधा, अधिवक्ता अपीलान्त की ओर से।
2. श्री नवलसिंह दहिया, राजकीय अधिवक्ता रेस्पोंडेन्ट की ओर से।

निर्णय

दिनांक 27 मार्च, 2024

1. अपीलान्त ने यह अपील न्यायालय उपखण्ड अधिकारी बालेसर के द्वारा प्रकरण क्रमांक 1795 दिनांक 06.06.2018 में पारित आदेश के विरुद्ध यह प्रथम अपील दिनांक 04.02.2019 को प्रस्तुत की गई।
2. पक्षकरान के अधिवक्ता उपस्थित। दौरान सुनवाई अपीलान्त के अभिभाषक ने यह कथन किया कि तहसीलदार बालेसर के द्वारा रास्ते सम्बन्धित समस्याओं का निराकरण अभियान, 2016 के तहत ग्राम भालू लक्ष्मणगढ तहसील बालेसर के ख0सं0 544, 547, 540, 539 की रकबा भूमि में से चलायमान रास्ते को राजस्व रेकॉर्ड में गैर मुमकीन रास्ते के रूप में अमलदरामद करने का प्रस्ताव अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जिसे अधीनस्थ न्यायालय के द्वारा स्वीकार करते हुए उपरोक्त खसरान भूमि की रकबा भूमि में से चल रहे रास्ते की रकबा भूमि को

  
सम्भागीय आयुक्त



राजस्व अपील संख्या 24/2022 चनणाराम वगैराह बनाम राज्य

राजस्व रेकॉर्ड में गैर मुमकीन रास्ते के रूप में अमल दरामद करने का आदेश दिनांक 06.06.2018 को पारित कर दिया गया जो अपीलार्थीगण को बिना सुनवाई का अवसर प्रदान किये ही एकपक्षीय रूप से पारित किया गया है जबकि उक्त खसरान में अपीलान्टस के खसरा संख्या 544 की भूमि भी रास्ते हेतु दर्शाते हुए राजस्व रेकॉर्ड में दर्ज करने के आदेश पारित किये हैं। जिससे अपीलान्ट व्यथित पक्षकार होने से उक्त आदेश के विरुद्ध यह अपील प्रस्तुत कर रहे हैं।

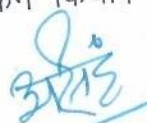
3. अपीलान्ट के अधिवक्ता ने यह भी निवेदन किया कि अधिनस्थ न्यायालय के द्वारा अधिनस्थ न्यायालय द्वारा आदेश पारित करने से पूर्व उन्हें अपना पक्ष रखे जाने के सम्बन्ध में कोई नोटिस तक नहीं दिया एवं उसकी भूमि में से रास्ता दर्ज करने का आदेश दे दिया। रास्ते मांगे जाने हेतु किसी काश्तकार/खातेदार के द्वारा कोई प्रार्थना पत्र पेश नहीं किया, राजस्व कर्मचारियों ने मनमर्जी से रास्ता बताकर प्रस्ताव पेश कर दिया गया मौके पर आज भी कोई रास्ता कायम नहीं है।

4. अपीलान्ट के अधिवक्ता ने यह भी निवेदन किया कि अधिनस्थ न्यायालय ने पटवारी की एकतरफा जॉच रिपोर्ट भी हितबद्ध व भूमि के अपीलान्टस/खातेदारान की गैर गौजूदगी में एकपक्षीय व मिलीभगती से तैयार की गई, को आधार मानकर फेसला किया है। ऐसे में अपीलाधीन आदेश जो कि अपीलान्टस को सुनवाई का अवसर दिये बिना ही एवं उनका पक्ष जाने बिना ही पारित किया गया है जो प्राकृतिक न्याय सिद्धान्तों का उल्लंघन है, जो निरस्त योग्य किये जाने योग्य है। अतः उपरोक्त आधारों पर अपीलान्ट की अपील स्वीकार की जाकर अपीलाधीन आदेश दिनांक 06.06.2018 को निरस्त किया जावे।

5. प्रत्युत्तर में राजकीय अधिवक्ता ने यह कथन किया कि अधिनस्थ न्यायालय के द्वारा तहसीलदार बालेसर की ओर से प्रेषित प्रस्ताव जिसमें रास्ते सम्बन्धित समस्याओं का निराकरण अभियान, 2016 के तहत ग्राम भालू लक्ष्मणगढ तहसील बालेसर के ख0सं0 544, 547, 540, 539 की रकबा भूमि में से चलायमान रास्ते को राजस्व रेकॉर्ड में गैर मुमकीन रास्ते के रूप में अमलदरामद करने बाबत पेश किया जिसे अधिनस्थ न्यायालय के द्वारा विधिवत प्रक्रिया अनुसार स्वीकार किया गया है जो बहाल रख जावे।

6. हमने पक्षकारान के अधिवक्ता द्वारा की गई बहस पर मनन किया एवं अपील में दर्शाये गये तथ्यों का अवलोकन किया। अपीलान्ट ने अपनी अपील में

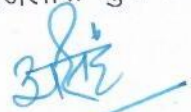


  
राजकीय आयुक्त

अधीनस्थ न्यायालय के द्वारा पारित अपीलाधीन आदेश के विरुद्ध प्रमुखतः यह आपत्ति उठाई है कि अपीलाधीन आदेश में वर्णित ग्राम भालू लक्ष्मणगढ तहसील बालेसर के ख0सं0 544, 547, 540, 539 की रकबा भूमि में से चलायमान रास्ते को राजस्व रेकॉर्ड में गैर मुमकीन रास्ते के रूप में अमलदरामद करने का प्रस्ताव अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जिसे को रास्ते में दर्ज किये जाने का जो आदेश दिनांक 06.06.2018 को पारित किया है वो प्रभावित खातेदारान/ अपीलार्थीगण को सुनवाई का तथा अपना पक्ष रखे जाने अवसर प्रदान किये बिना ही पारित किया गया है तथा अधीनस्थ न्यायालय के द्वारा गैर मुमकीन रास्ता दर्ज किये जाने का आदेश दिये जाने से पूर्व उनकी सहमति नहीं ली गई और भूमि की मौका रिपोर्ट उनकी अनुपस्थिति में तैयार की गई है।

7. ऐसे में हमारी विनम्र राय में अधीनस्थ न्यायालय के द्वारा पारित अपीलाधीन आदेश में अंकित अपीलान्ट की खातेदारी के खसरा संख्या 544 ग्राम भालू लक्ष्मणगढ के सम्बन्ध में अपीलार्थी को अपना पक्ष रखने का समुचित अवसर दिये जाने के पश्चात अपीलाधीन आदेश में किसी प्रकार से संशोधन की आवश्यकता प्रतीत होती हो तो पुनः नये सिरे से यथोचित आदेश पारित करने हेतु प्रकरण अधीनस्थ न्यायालय को प्रतिप्रेषित किया जाना उचित रहेगा।

8. उपरोक्त विवेचन एवं विश्लेषण के परिणामस्वरूप अपील अपीलान्ट आंशिक रूप से स्वीकार की जाकर प्रकरण उपखण्ड अधिकारी, बालेसर के द्वारा पारित अपीलाधीन आदेश दिनांक 06.06.2018 को अपीलान्टस के खसरा संख्या 544 की रकबा भूमि की हद तक निरस्त करते प्रकरण अधीनस्थ न्यायालय को इन निर्देशों के साथ प्रतिप्रेषित किया जाता है कि उभय पक्षकारान की उपस्थिति में तहसीलदार बालेसर से मौका जाँच करवाकर मौका फर्द तैयार करावें, तत्पश्चात उपखण्ड अधिकारी, बालेसर उक्तानुसार तैयार मौका फर्द एवं उभय पक्षकारान की सुनवाई पश्चात पुनः यथोचित आदेश पारित करे। कोई भी पक्ष उपरोक्त चलायमान रास्ते को बन्द नहीं करें। निर्णय आज दिनांक 27 मार्च, 2024 को सरे इजलास सुनाया गया।



(अजीत सिंह राजावत)  
अति० सम्भागीय आयुक्त  
जोधपुर